18th Feb.2018

Abhishek, from Prithvi's team gets to explore the Art of Vertical Gardening by participating in a one day workshop on Vertical gardening conducted by Kishwari Konnect.

कार्यशाला- वर्टीकल गार्डन (ऊर्ध्वाधर उद्यान) विषय के ऊपर एक दिवसीय कार्यशाला

स्थान- कशान-ऐ-मुस्तफा, 108 नाज़ सिनेमा रोड, अमीनाबाद, लखनऊ,/

किश्वरी कोन्नेक्ट संस्था के द्वारा वर्टीकल गार्डनिंग के ऊपर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें पृथ्वी इन्नोवेशंस ने भी अपनी सहभागि□ा दर्ज की/

एक्सपर्ट संजय कुमार सिंह के द्वारा ब□ाया गया की कैसे आजकल बढ़□ प्रदूषण और आधुनिक जीवनशैली में घर छोटे हो□ हैं जिसके कारण बाग-बगीचों की जगह गमलों □क सिमट गई है। जिसका एक अच्छा विकल्प वर्टिकल गार्डनिंग है इसके सहारे हमलोग अपने घर को हरा भरा, और प्रदूषण मुख्त रख सक□ हैं/

कार्यशाला में एक्सपर्ट की ओर से ब□ाया कि वर्टिकल गार्डनिंग नई शैली के बगीचे हैं जिन्हें दीवारों पर बनाया जा□ा है।घर की दीवारें वर्टिकल गार्डन के लिए बहु□ उपयुक्त रह□ी हैं। उनके □रफ से ये भी ब□ाया गया कि हमलोग अपने घर में और खली परे दीवारों पर कैसे वर्टिकल गार्डन बना सक□ हैं ,और इसमें किन किन चीजों का इस्तेमाल करके आसानी से वर्टीकल गार्डनिंग कर सक□ हैं, □था कौन-कौन से पौधों से सजाएं इसे और इसका ख्याल कैसे रखे। अगर आपको अपना लिविंग एरिया बहु□ अच्छा लग□ा है □ो आप उसकी दीवारों पर भी वर्टिकल गार्डन बना सक□ हैं। आप चाहें □ो वुडन फ्रेमिंग कराकर इसमें अपनी पसंद के पौधों को जगह दे सक□ हैं। कार्यशाला में एक्सपर्ट की ओर से प्र□िभागियों को प्रैक्टिकल भी कराकर ब□ाया गया की कैसे इसे आसानी से बना सक□ हैं/